४. वैज्ञानिक खोज प्रतिमान (Scientific Inquiry Model)

प्रवर्तक - जोसेफ जे स्कवाब

उद्देश्य - १. शोध पद्धतियों का शिक्षण २. सामाजिक समझ तथा सामाजिक समस्या के समाधान के लिए ३. समाज विज्ञान संबंधी विधियों के शिक्षण के लिए।

५. ज्ञानात्मक वृद्धि प्रतिमान

प्रवर्तक - जीन पियाजे, इरविंग सिंगेल

उदेश्य - १. सामान्य मानसिक विकास २. तार्किक चिंतन ३. सामाजिक एवं नैतिक विकास करना।

६. अग्रवर्ती संगठन प्रवर्तक (Advance Organization Model)

प्रवर्तक - डेविड जे. आसुबेल

उदेश्य - ज्ञान प्राप्त करना और संगठित करना तथा सूचना प्रक्रम की क्षमता विकसित करना।

७. स्मृति प्रतिमान

प्रवर्तक - हैरीलोरेन, जैरी लुकासी

उद्देश्य - स्मरण करने की क्षमता विकसित करना।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

2. सामाजिक अंत: क्रिया प्रतिमान (Social Interaction Model)

सामाजिक अंतः क्रिया प्रतिमान के अंतर्गत विद्यार्थियों को दूसरे विद्यार्थियों से अंतः क्रिया करने का अवसर दिया जाता है जिससे उनमें सामाजिक कौशलों का विकास होता है। ये सामाजिक कौशल व्यक्ति को सामाजिक सामंजस्य स्थापित करने में मदद करते हैं। इस समूह में निमल प्रतिमान आते हैं -

१. समूह अन्वेषण - *प्रवर्तक* - हरबर्ट थीलेन, जॉन डीवी।

२. प्रयोगशाला विधि - *प्रवर्तक* - नेशनल ट्रेनिंग लेबोरेटरी, बीथेल मैंन।

३. सामाजिक खोज (Social Inquiry) - *प्रवर्तक* - बाइरोन मैसिएलस, बेन्जामिन काक्स।

४. भूमिका निर्वाह - *प्रवर्तक* - फैनी शाफ्टेल, जार्ज शाफ्टेल।

५. सामाजिक संरचना - *प्रवर्तक* - सोरोन बूकोक, हैरोल्ड गेज कोव।

६. जूरिस प्रूडेन्शियल खोज - *प्रवर्तक* - डोनाल्ड ओलिवर, जेम्स पी. शेवर।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

4. वैयक्तिक प्रतिमान (Personal Model)

वैयक्तिक प्रतिमानों का उद्देश्य व्यक्ति को उसकी क्षमताओं के अनुसार स्वयं का विकास करने में मदद करना है। इस प्रतिमान के द्वारा व्यक्ति के संवेगात्मक पक्ष पर अधिक बल दिया जाता है जिसके परिणाम स्वरुप व्यक्ति में अपने वातावरण के साथ उचित संबंध स्थापित करने की योग्यता विकसित की जा सकती है। इसके साथ साथ व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के साथ उचित संबंध स्थापित करने एवं सूचना प्रक्रम की प्रक्रिया में सक्षम हो जाता है। इस समूह में निम्न प्रतिमान आते हैं -

१. चेतना प्रशिक्षण - *प्रवर्तक* - फ्रिट्ज पेरिस, विलियम स्कूट्ज।

२. अनिर्देशात्मक शिक्षण - *प्रवर्तक* - कार्ल रोजर्स

३. साइनेटिक्स - *प्रवर्तक* - विलियम जॉर्डन

४. कक्षीय गोष्ठी - *प्रवर्तक* - विलियम ग्लैसर

५. संकल्पनात्मक पद्धति - *प्रवर्तक* - डेविड हंट

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

4. व्यवहारिक प्रतिमान (Behavioural Model)

इस समूह में आने वाले सभी प्रतिमानों का मुख्य उद्देश्य अधिगमकर्ता के दृश्य व्यवहारों में परिवर्तन लाना है न की अंतर्निहित मनोवैज्ञानिक संरचनाओं एवं व्यवहारों में। ये प्रतिमान उद्दीपनों का नियंत्रण करके पुनर्बलकों का प्रस्तुतीकरण करते हैं। पुनर्बलकों का प्रयोग करके वांछित व्यवहारों का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे सामान्य व्यवहारों को विशिष्ट प्रकार के व्यवहारों में परिवर्तित किया जाता है। इस समूह में निम्न प्रतिमान आते हैं -

१. आकस्मिकता की व्यवस्था - *प्रवर्तक* - बी. एफ. स्किनर

२. स्वनियंत्रण - *प्रवर्तक* - बी. एफ. स्किनर

३. शिथिलता - *प्रवर्तक* - रीम एवं मास्टर्स वोल्प

४. दबाव न्यूनता - *प्रवर्तक* - रीम एवं मास्टर्स वोल्प

५. स्थापन प्रशिक्षण - *प्रवर्तक* - वोल्प, लेजारम सालटर

६. अविध्न प्रशिक्षण - *प्रवर्तक* - गायने, स्मिथ एवं स्मिथ

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

• **शिक्षण प्रतिमानों की उपयोगिता**

Utility of Teaching Model)

1. शिक्षण प्रतिमान शिक्षण को प्रभावशाली बनाने में सहायक है।
2. शिक्षण प्रतिमान में इस प्रकार की शिक्षण नीतियों और युक्तियों का प्रयोग किया जाता है जो विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन करने में सहायक होती है।
3. शिक्षण प्रतिमान शिक्षण क्षेत्र का विशिष्टीकरण करते हैं।
4. शिक्षण प्रतिमान का प्रयोग अनुदेशन सामग्री का विकास करने के लिए किया जाता है।
5. शिक्षण प्रतिमान पाठ्यक्रम का निर्माण करने में सहायक होते हैं।
6. शिक्षण प्रतिमान का प्रयोग विद्यार्थियों के व्यवहार का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।
7. शिक्षण प्रतिमान द्वारा अध्यापक छात्र क्रिया को प्रभावी बनाया जाता है।
8. शिक्षण प्रतिमान उन उद्दीपक स्थितियों का चयन करने में सहायक होते हैं जो विद्यार्थियों में अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन उत्पन्न कर सके।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner